

एक गुणवत्तापूर्ण शोध में “संबंधित साहित्य” की भूमिका पर अध्ययन

डॉ० कंचन जैन, शिक्षाशास्त्र विभाग, सनराइज विश्वविद्यालय

शोध सार

संबंधित साहित्य की समीक्षा के शोध को सूचीबद्ध करना, वर्णन करना, सारांशित करना, वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करना और स्पष्ट करना चाहिए। इसे शोध के लिए एक सैद्धांतिक आधार देना चाहिए और शोधार्थी को अपने शोध की प्रकृति निर्धारित करने में मदद करनी चाहिए। साहित्य समीक्षा पिछले शोधकर्ताओं के शोध कार्य को स्वीकार करती है, और ऐसा करने में, शोधार्थी को आश्वस्त करती है कि आपके कार्य की कल्पना भली प्रकार से की गई है तथा यह माना जाता है कि अध्ययन के क्षेत्र में पिछले शोध कार्य का उल्लेख करके, शोधार्थी ने उस कार्य को पढ़ा, मूल्यांकन किया और आत्मसात किया। एक साहित्य समीक्षा शोधार्थी के लिए एक “परिदृश्य” बनाती है, जिससे उसे क्षेत्र में विकास की पूरी समझ मिलती है। यह परिदृश्य शोधार्थी को सूचित करता है कि शोधार्थी ने वास्तव में अपने या अपने शोध में क्षेत्र में पिछले सभी महत्वपूर्ण कार्यों या विशाल बहुमत को आत्मसात कर लिया है।

मुख्य शब्द : शैक्षिक, अनुसंधान, गुणवत्ता, शोधार्थी, मूल्यांकन, अध्ययन, वैज्ञानिक क्षेत्र, शिक्षा प्रणाली ।

शोध प्रविधि : शोध हेतु पुस्तकों एवं शोध पत्रों का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में शोध के महत्व को समझना है। अनुसंधान को व्यापक रूप से शिक्षा प्रणाली में शामिल व्यक्तियों और स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को लाभ प्रदान करने के रूप में माना जाता है। इस शोध पत्र के

प्रमुख क्षेत्र विशेषताएँ, शिक्षा में शोध के उद्देश्य, शोध में शामिल कदम, शिक्षा में शोध का महत्व और अंत में वर्तमान संदर्भ में शोध की चुनौतियाँ हैं। संबंधित साहित्य के अध्ययन की महत्वता, गुणवत्ता एवं शोध में आवश्यकता इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य है।

प्रस्तावना

शैक्षिक अनुसंधान अध्ययन का वैज्ञानिक क्षेत्र है जो शिक्षा और सीखने की प्रक्रियाओं और शैक्षिक परिणामों को आकार देने वाले मानवीय गुणों, अंतःक्रियाओं, संगठनों और संस्थानों की जांच करता है। इस क्षेत्र में संबंधित साहित्य की समीक्षा यह वर्णन करने, समझने और व्याख्या करने का प्रयास करती है कि किसी व्यक्ति के जीवन में सीखना कैसे होता है और शिक्षा के औपचारिक और अनौपचारिक संदर्भ सीखने के सभी रूपों को कैसे प्रभावित करते हैं। शिक्षा अनुसंधान पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए उपयुक्त कठोर तरीकों के पूर्ण स्पेक्ट्रम को गले लगाता है और नए उपकरणों और विधियों के विकास को भी संचालित करता है। अनुसंधान एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित जाँच है, विशेष रूप से ज्ञान की किसी भी शाखा में नए तथ्यों की खोज के माध्यम से, दूसरी ओर शिक्षा को उन सभी प्रक्रियाओं का समुच्चय माना जाता है जिनके द्वारा एक व्यक्ति उस समाज में जिसमें वह रहता/रहती है, व्यवहारिक मूल्यों की क्षमताओं, अभिवृत्तियों और व्यवहार के अन्य रूपों का विकास करता है।

गुणवत्तापूर्ण शोध की विशेषताएं

गुणात्मक अध्ययन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक और महत्वपूर्ण यह है कि सैद्धांतिक या वैचारिक ढाँचे को अनुसंधान डिजाइन, शोध प्रश्नों और अध्ययन में उपयोग की जाने वाली पद्धति के साथ-साथ शोध निष्कर्षों की रिपोर्टिंग के साथ रेखांकित किया गया है। उच्च-गुणवत्ता वाले गुणात्मक शोध के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबिंब और अध्ययन को रेखांकित करने वाले चयनित ढाँचे के औचित्य की आवश्यकता होती है।

उच्च गुणवत्ता वाले शोध को इंगित करने के लिए उत्तरदाताओं की संख्या आवश्यक रूप से प्रमुख नहीं हैं। गुणवत्ता का आकलन करते समय, ध्यान को डाटा की गहराई, समृद्धि

और उपयुक्तता की ओर निर्देशित करने की आवश्यकता होती है, और क्या, जब विश्लेषण किया जाता है, तो डाटा शोध प्रश्नों का उत्तर देने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करता है। संबंधित साहित्य का अध्ययन निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखने का प्रस्ताव देता है। अध्ययन का दायरा विषय की प्रकृति, अध्ययन की गई घटना के बारे में पहले से ही क्या ज्ञात है। अध्ययन प्रारूप डाटा की गुणवत्ता प्रत्येक प्रतिभागी से प्राप्त उपयोगी जानकारी की मात्रा, और छायांकित डेटा का उपयोग (अर्थात् खोजी जा रही घटना के बारे में दूसरों की समझ के बारे में प्रतिवादी की जागरूकता)। कुछ पद्धतियों के लिए आवश्यक उचित गहराई में डाटा की एक बड़ी मात्रा का विश्लेषण करना संभव नहीं हो सकता है, और एक कम समृद्ध डाटा नमूना (उदाहरण के लिए बहुत कम साक्षात्कार) अनुसंधान के लिए कम महत्वपूर्ण होने की संभावना है— गहन साक्षात्कार जो समृद्ध अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। एक साथ लिया गया, इससे पहले यह जानना बहुत मुश्किल हो जाता है कि कितने उत्तरदाताओं की आवश्यकता होगी।

किसी भी साहित्य समीक्षा का उद्देश्य किसी विशेष क्षेत्र में बिना कोई नया योगदान जोड़े मौजूदा ज्ञान के तर्कों और विचारों को सारांशित और संश्लेषित करना है। मौजूदा ज्ञान पर निर्मित होने के कारण वे शोधकर्ता को शोध के विषय के पहियों को घुमाने में भी मदद करते हैं। मौजूदा निष्कर्षों में क्या गलत है, इसकी गहरी जानकारी होने पर ही उन पर काबू पाना संभव है। अन्य शोधों के लिए साहित्य समीक्षा उसकी सफलता की ओर अग्रसर होने की दिशा देती है।

गैरी एंडरसन के शैक्षिक अनुसंधान के पहलू

- ❖ कारण और प्रभाव खोजने का प्रयास करें।
- ❖ अनुसंधान में प्राथमिक या प्रत्यक्ष स्रोतों से नया डेटा एकत्र करना या नए उद्देश्य के लिए मौजूदा डेटा का उपयोग करना शामिल है।
- ❖ अनुसंधान देखने योग्य अनुभव या अनुभवजन्य साक्ष्य पर आधारित है।
- ❖ अनुसंधान सटीक अवलोकन और विवरण की मांग करता है।

- ❖ अनुसंधान आमतौर पर सावधानीपूर्वक तैयार की गई प्रक्रियाओं और कठोर विश्लेषण को नियोजित करता है।
- ❖ अनुसंधान सामान्यीकरण, सिद्धांतों या सिद्धांतों के विकास पर जोर देता है जो समझने, भविष्यवाणी करने और ध्या नियंत्रण में मदद करेगा।
- ❖ अनुसंधान के लिए विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है कृक्षेत्र से परिचित होनाय कार्यप्रणाली में क्षमताय डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने में तकनीकी कौशल।
- ❖ अनुसंधान समस्या का एक उद्देश्यपूर्ण, निष्पक्ष समाधान खोजने का प्रयास करता है और नियोजित प्रक्रियाओं को मान्य करने के लिए बहुत दर्द करता है।
- ❖ अनुसंधान एक सोची समझी और बिना जल्दबाजी की गतिविधि है जो दिशात्मक है लेकिन अक्सर समस्या या प्रश्नों को परिष्कृत करती है।

संबंधित साहित्य की आवश्यकता

- ❖ संबंधित साहित्य समीक्षा की आवश्यकता को एक विश्लेषणात्मक विशेषता में सम्मिलित किया जा सकता है जोकि इसके महत्व को कई गुना आगे पहुंचा सकता है। यह कई तरह से अनुसंधान की वैधता के लिए मूल्य जोड़ता है।
- ❖ ज्ञान और मौजूदा सामग्री की प्रासंगिकता में स्थिरता स्थापित करने में मदद करने के लिए क्षेत्र में अद्यतन विकास के प्रकाश में मौजूदा साहित्य की व्याख्या प्रदान करता है।
- ❖ यह उनके ज्ञान की प्रगति का मानचित्रण करके क्षेत्र में नवीनतम जानकारी के प्रभाव की गणना करने में मदद करता है।
- ❖ यह तथ्यों को स्थापित करने के लिए क्षेत्र के भीतर विभिन्न विचारों के बीच अंतर्विरोधों को सामने लाता है।
- ❖ क्षेत्र में मूल्य जोड़ने के लिए सिद्धांतों के नवीनतम तथ्यों को स्थापित करने के लिए शुरू में छानबीन किए गए शोध अंतरालों का पता लगाया जाता है
- ❖ किसी विशेष क्षेत्र की स्कीमा में वर्तमान अनुसंधान स्थान को इंगित करता है।

- ❖ अनुसंधान की जांच के लिए प्रासंगिकता और सुसंगतता के लिए जानकारी प्रदान करता है।
- ❖ ज्ञान की निरंतरता को स्पष्ट करने के अलावा, यह उन क्षेत्रों को भी इंगित करता है जिन्हें आगे की जांच की आवश्यकता होती है और इस प्रकार यह भविष्य के किसी भी शोध के शुरुआती बिंदु के रूप में सहायता करता है।
- ❖ अनुसंधान को न्यायोचित ठहराता है और शोध प्रश्न को स्थापित करता है।
- ❖ शोध की अवधारणाओं और सिद्धांतों को शामिल करते हुए एक सैद्धांतिक रूपरेखा तैयार करता है, जिस पर इसकी सफलता का फैसला किया जा सकता है।
- ❖ एक ही क्षेत्र में मौजूदा शोध की ताकत और कमजोरियों की जांच करके अनुसंधान के लिए अधिक उपयुक्त पद्धति अपनाने में मदद करता है
- ❖ मौजूदा साहित्य के साथ तुलना करके परिणामों के महत्व को बढ़ाता है।
- ❖ वैज्ञानिक पांडुलिपि में निष्कर्ष लिखकर एक संदर्भ बिंदु प्रदान करता है।
- ❖ वैज्ञानिक पांडुलिपियों में तथ्य-खोज और तथ्य-जाँच मिशन को पूरा करने के लिए दर्शकों से उचित श्रेय प्राप्त करने में मदद करता है।
- ❖ इसके प्रासंगिक स्रोतों का संदर्भ जितना अधिक होगा, पाठकों के साथ इसकी विश्वसनीयता उतनी ही अधिक बढ़ सकती है।
- ❖ दूसरे के मूल विचार को न दोहराने के लिए वैज्ञानिक पांडुलिपि और विशिष्ट रूप से तोड़-मरोड़ कर साहित्यिक चोरी को रोकने में मदद करता है।
- ❖ साहित्यिक चोरी को रोककर , यह वैज्ञानिक पांडुलिपि को अस्वीकृति से बचाता है और इस प्रकार बहुत समय और पैसा भी बचाता है।
- ❖ अनुसंधान फोकस को तेज करने के लिए लेखक के अपने शब्दों में सार का मूल्यांकन, संक्षेपण और संश्लेषण करने में मदद करता है।
- ❖ मौजूदा अन्य शोधों की तुलना में शोध की मौलिकता और विशिष्टता दिखाने के लिए तुलना और विपरीत करने में मदद करता है।
- ❖ किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में विशेष शोध करने की आवश्यकता को युक्तिसंगत बनाता है।

- ❖ मौजूदा की तुलना में अनुसंधान की किसी भी नई पद्धति की अनुमति देने के लिए सटीक रूप से डेटा एकत्र करने में मदद करता है।
- ❖ प्रकाशन के बेहतर अवसरों के लिए पाण्डुलिपि के पाठकों को प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाता है।

साहित्य समीक्षा के उद्देश्य

- ❖ विषय पर ज्ञान का आधार प्रदान करें।
- ❖ साहित्य को दोहराने से रोकने और अन्य शोधकर्ताओं को श्रेय देने के लिए संबंधित साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।
- ❖ विसंगतियों की पहचान अनुसंधान में अंतराल, पिछले अध्ययनों में संघर्ष, अन्य शोधों से मुक्त प्रश्न अतिरिक्त शोध की आवश्यकता को पहचानने (अपने शोध को सही ठहराते हुए)। विषय और अन्य कार्यों में इसके योगदान के संदर्भ में कार्यों के संबंध को पहचानने के लिए।
- ❖ फिंक, अर्लीन अनुसंधान साहित्य समीक्षा आयोजित करना: इंटरनेट से पेपर तक। दूसरा संस्करण। थाउजेंड ओक्स, सीए: सेज, 2005य हार्ट, क्रिस। एक साहित्य समीक्षा करना सामाजिक विज्ञान अनुसंधान कल्पना को जारी करना ।
- ❖ थाउजेंड ओक्स, सीए: सेज पब्लिकेशंस, 1998य जेसन, जिल डूइंग योर लिटरेचर रिव्यू: ट्रेडिशनल एंड सिस्टमैटिक टेक्निक्स ।
- ❖ लॉस एंजिल्स, सीए एसएजीई, 2011जेफरी डब्ल्यू “डूइंग ए लिटरेचर रिव्यू।” पुनश्च: राजनीति विज्ञान और राजनीति 39 (जनवरी 2006): 127–132य रिडले, डायना।
- ❖ द लिटरेचर रिव्यू: ए स्टेप-बाय-स्टेप गाइड फॉर स्टूडेंट्स । दूसरा संस्करण। लॉस एंजिल्स, सीए: एसएजीई, 2012।

साहित्य समीक्षा के प्रकार

- तर्कपूर्ण समीक्षा

यह प्रपत्र साहित्य में पहले से ही स्थापित एक तर्क, गहन रूप से अंतर्निहित धारणा, या दार्शनिक समस्या का समर्थन या खंडन करने के लिए चयनात्मक रूप से साहित्य की जांच करता है। इसका उद्देश्य साहित्य के एक निकाय को विकसित करना है जो एक विरोधाभासी दृष्टिकोण स्थापित करता है। कुछ सामाजिक विज्ञान अनुसंधानों की मूल्य-प्रधान प्रकृति को देखते हुए खूदाहरण के लिए, शैक्षिक सुधारय अप्रवासन नियंत्रण,, साहित्य का विश्लेषण करने के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण प्रवचन का एक वैध और महत्वपूर्ण रूप हो सकता है। हालांकि, ध्यान दें कि वे पूर्वाग्रह की समस्याओं को भी पेश कर सकते हैं जब उनका उपयोग व्यवस्थित समीक्षाओं में पाए जाने वाले प्रकार के सारांश दावे करने के लिए किया जाता है ।

● एकीकृत समीक्षा

अनुसंधान का एक रूप माना जाता है जो किसी विषय पर प्रतिनिधि साहित्य की समीक्षा, समालोचना और एक एकीकृत तरीके से संश्लेषित करता है जैसे कि विषय पर नए ढांचे और दृष्टिकोण उत्पन्न होते हैं। साहित्य के शरीर में सभी अध्ययन शामिल हैं जो संबंधित या समान परिकल्पनाओं या शोध समस्याओं को संबोधित करते हैं। एक अच्छी तरह से की गई एकीकृत समीक्षा स्पष्टता, कठोरता और प्रतिकृति के संबंध में प्राथमिक शोध के समान मानकों को पूरा करती है। यह सामाजिक विज्ञानों में समीक्षा का सबसे सामान्य रूप है।

● ऐतिहासिक समीक्षा

ऐतिहासिक मिसाल से कुछ चीजें अलग-थलग हैं। ऐतिहासिक साहित्य की समीक्षा समय-समय पर शोध की जांच करने पर ध्यान केंद्रित करती है, अक्सर पहली बार साहित्य में पहली बार एक मुद्दा, अवधारणा, सिद्धांत, घटनाएं उभरती हैं, फिर एक अनुशासन की छात्रवृत्ति के भीतर इसके विकास का पता लगाती हैं। इसका उद्देश्य अत्याधुनिक विकास के साथ परिचितता दिखाने और भविष्य के शोध के लिए संभावित दिशाओं की पहचान करने के लिए एक ऐतिहासिक संदर्भ में शोध करना है।

- **सैद्धान्तिक पुनरावलोकन**

इस फॉर्म का उद्देश्य सिद्धांत के कोष की जांच करना है जो किसी मुद्दे, अवधारणा, सिद्धांत, घटना के संबंध में जमा हुआ है। सैद्धान्तिक साहित्य समीक्षा यह स्थापित करने में मदद करती है कि कौन से सिद्धांत पहले से मौजूद हैं, उनके बीच संबंध, किस हद तक मौजूदा सिद्धांतों की जांच की गई है, और परीक्षण के लिए नई परिकल्पना विकसित करने के लिए। अक्सर इस फॉर्म का उपयोग उपयुक्त सिद्धांतों की कमी को स्थापित करने में मदद करने के लिए किया जाता है या यह प्रकट करता है कि नई या उभरती हुई शोध समस्याओं को समझाने के लिए वर्तमान सिद्धांत अपर्याप्त हैं। विश्लेषण की इकाई एक सैद्धान्तिक अवधारणा या संपूर्ण सिद्धांत या ढांचे पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

- **मैथडोलॉजिकल रिव्यू**

एक समीक्षा हमेशा इस बात पर ध्यान केंद्रित नहीं करती है कि किसी ने क्या कहा खनिष्कर्ष,, लेकिन वे कैसे कहते हैं कि वे क्या कहते हैं खविश्लेषण की विधि,। विश्लेषण के तरीकों की समीक्षा करने से विभिन्न स्तरों पर समझ का ढांचा मिलता है । (सिद्धांत, मूल क्षेत्र, अनुसंधान दृष्टिकोण, और डेटा संग्रह और विश्लेषण तकनीक), कैसे शोधकर्ता वैचारिक स्तर से लेकर व्यावहारिक दस्तावेजों तक विस्तृत ज्ञान का उपयोग करते हैं। ऑन्कोलॉजिकल और एपिस्टेमोलॉजिकल विचार, मात्रात्मक और गुणात्मक एकीकरण, नमूनाकरण, साक्षात्कार, डेटा संग्रह और डेटा विश्लेषण के क्षेत्रों में फील्डवर्क में उपयोग। यह दृष्टिकोण नैतिक मुद्दों को उजागर करने में मदद करता है जिसके बारे में आपको पता होना चाहिए और जब आप अपने अध्ययन के माध्यम से जाते हैं तो उस पर विचार करें।

- **व्यवस्थित समीक्षा**

इस फॉर्म में एक स्पष्ट रूप से तैयार किए गए शोध प्रश्न से संबंधित मौजूदा साक्ष्य का अवलोकन शामिल है, जो प्रासंगिक शोध की पहचान करने और गंभीर रूप से मूल्यांकन करने के लिए पूर्व-निर्दिष्ट और मानकीकृत तरीकों का उपयोग करता है, और इसमें

शामिल अध्ययनों से डेटा एकत्र करने, रिपोर्ट करने और विश्लेषण करने के लिए समीक्षा में। लक्ष्य एक स्पष्ट रूप से परिभाषित अनुसंधान समस्या के बारे में जानबूझकर दस्तावेज, गंभीर रूप से मूल्यांकन और वैज्ञानिक रूप से सभी शोधों को सारांशित करना है। आमतौर पर यह एक बहुत ही विशिष्ट अनुभवजन्य प्रश्न पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसे अक्सर एक कारण और प्रभाव के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जैसे “ए किस हद तक बी में योगदान देता है?” इस प्रकार की साहित्य समीक्षा मुख्य रूप से नैदानिक चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य क्षेत्रों में पूर्व शोध अध्ययनों की जांच करने के लिए लागू होती है, लेकिन सामाजिक विज्ञानों में इसका तेजी से उपयोग किया जा रहा है।

उपसंहार

संबंधित साहित्य का अध्ययन करके एक शोधार्थी अपने शोध को गुणवत्तापूर्ण बना सकता है तथा संबंधित साहित्य की समीक्षा कर कर अपने ज्ञान को विकसित कर सकता है एवं अपनी शोध समस्या का समाधान का मूल्यांकन भी सरलता पूर्वक कर सकता है। अपने शोध की एक अच्छी रूपरेखा बना सकता है एवं शोध के अनेक पहलू पर भी संबंधित साहित्य के अध्ययन की समीक्षा कर कर नवीन तथ्यों को जान हो सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- बागलियोन, एल। (2012)। राजनीति विज्ञान में एक शोध पत्र लिखना । थाउजेंड ओक्स, कैलिफोर्निया: सीक्यू प्रेस।
- एडम्स, जॉनय खान, हाफिज टीए य रायसाइड, रॉबर्ट (2007)। स्नातक व्यापार और सामाजिक विज्ञान के छात्रों के लिए अनुसंधान के तरीके । नई दिल्ली: सेज प्रकाशन। पी। 56 । आईएसबीएन 9780761935896.
- बोल्डरस्टन, अमांडा (जून 2008)। “लेखन एक प्रभावी साहित्य समीक्षा”। जर्नल ऑफ मेडिकल इमेजिंग एंड रेडिएशन साइंसेज । 39 (2): 86–92। डीओआई : 10.1016/j.jemir.2008.04.009 । पीएमआईडी 31051808 ।

- रिचर्ड जे (दिसंबर 2016)। “इंटीग्रेटिव लिटरेचर रिव्यूज राइटिंग: यूजिंग द पास्ट एंड प्रेजेंट टू एक्सप्लोर द फ्यूचर”। मानव संसाधन विकास समीक्षा । 15 (4): 404दृ 428 । डीओई : 10.1177/ 1534484316671606 . आईएसएसएन 1534–4843 । एस 2 सीआईडी 152155091 .
- शील्ड्स, पेट्रीसिया य रंगार्जन, नंदिनी (2013)। अनुसंधान विधियों के लिए एक प्लेबुक: अवधारणात्मक ढांचे और परियोजना प्रबंधन को एकीकृत करना । स्टिलवॉटर, ओक्लाहोमा: न्यू फोरम प्रेस। आईएसबीएन 978–1–58107–247–1.
- बेकर, पी (2000)। “लेखन एक साहित्य समीक्षा”. मार्केटिंग रिव्यू । 1 (2): 219दृ 247 । डीओई : 10.1362 1469347002529189 .
- ग्रैनेलो, डीएच (2001)। “स्नातक लिखित कार्य में संज्ञानात्मक जटिलता को बढ़ावा देना: साहित्य समीक्षा में सुधार के लिए एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में ब्लूम की वर्गीकरण का उपयोग करना”। काउंसलर शिक्षा और पर्यवेक्षण । 40 (4): 292दृ 307 । डीओआई : 10.1002/धजे.1556–6978.2001
- “साहित्य: परिभाषा” । ऑक्सफोर्ड शिक्षार्थियों के शब्दकोश। मूल से 10 जून 2021 को पुरालेखित । 24 जुलाई 2020 को पुनःप्राप्त ।